वर्ष : 1, अंक: 132 इंदौर, बुधवार 21 मई 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
रणजीत टाइम्स
DIGITAL EDITION

वक्फ बिल मामला: जब तक केस मजबूत न हो

अदालतें तब तक दखल नहीं दे सकतीं

● वक्फ ऐक्ट पर सीजेआई गवई और जस्टिस मसीह की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने जब तक मजबूत केस नहीं बनता, तब तक अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह अधिनियम सरकार की ओर से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने का एक प्रयास है। इसी दौरान सीजेआई गवई ने कहा, यह मामला संवैधानिकता के बारे में है। अदालतें आमतौर पर हस्तक्षेप नहीं करती हैं, इसलिए जब तक आप एक बहुत मजबूत मामला नहीं बनाते, कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करती है। सीजेआई ने आगे कहा कि औरंगाबाद में वक्फ संपत्तियों को लेकर बहुत सारे विवाद हैं। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने कहा कि वह तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। पीठ ने स्पष्ट किया था कि वह 20 मई को पूर्ववर्ती 1995 के वक्फ कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की किसी भी याचिका पर विचार नहीं करेगी।

टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, ''न्यायालय ने तीन मुद्दे चिन्हित किए हैं। हमने इन तीन मुद्दों पर अपना जवाब पहले ही दाखिल कर दिया है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं की लिखित दलीलें अब कई अन्य मुद्दों तक चली गई हैं। मैंने इन तीन मुद्दों के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल किया है। मेरा अनुरोध है कि इसे केवल तीन मुद्दों तक ही सीमित रखा जाए।'' दूसरी तरफ, वक्फ अधिनियम, 2025 के प्रावधानों को चुनौती देने वाले लोगों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने इन दलीलों का विरोध किया कि अलग-अलग हिस्सों में सुनवाई नहीं हो सकती। सिब्बल ने कहा कि टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती। इसलिए एक साथ सभी मुद्दों पर सुनवाई हो।

थरूर से लेकर तिवारी तक, कांग्रेस के साथ हो गया 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के इरादे से भारत की ओर से विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के शशि थरूर और मनीष तिवारी भी शामिल हैं। जबकि राहुल गांधी चाहते थे कि ये दोनों नेता इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल न हों। लेकिन इन दोनों कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे देश के

बुलावे पर जा रहे हैं। राहुल गांधी ने सरकार को कुछ और नाम भी दिए थे। लेकिन सरकार ने राहुल गांधी के दिए नामों को नहीं माना। सरकार ने सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना। मनीष तिवारी ने एक्स पर एक देशभक्ति गीत डाला। यह गीत 1975 की फिल्म आक्रमण का है। इसे किशोर कुमार ने गाया था। मनीष तिवारी ने इस गाने के जरिए अपना संदेश दिया। उन्होंने गाने की लाइनें लिखीं देखो वीर जवानों अपने खून पे ये इल्जाम ना आए, मां न कहे के मेरे बेटे वक्त पड़ा तो काम ना आए।

महाराष्ट्र की राजधानी में 2 कोरोना पॉजीटिव की मौत

● डॉक्टर बोले-पुरानी बीमारी से गई है जान

ऐक्टिव हुई सरकार ● सिंगापुर में संक्रमण के अब तक 3 हजार नए मामले आ चुके

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के अस्पताल में सोमवार को दो कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी।

इधर, एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28 फीसदी का इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। मरीजों की संख्या बढ़ सकती है।

सरकार ने कहा- भारत में हालात नियंत्रण में

भारत में अभी कोरोना की कोई बड़ी लहर नहीं दिख रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक 1 जनवरी से 19 मई तक देश में केवल 257 मामले सामने आए हैं। हालांकि सरकार के मुताबिक भारत में कोविड-19 की स्थिति अभी कंट्रोल में है। मुंबई में डॉक्टरों ने और भी हल्के लक्षणों वाले मामले देखे हैं, खासकर युवाओं में, लेकिन नई लहर की कोई जानकारी नहीं मिली है। भारतीय हेल्थ एक्सपर्ट्स ने पड़ोसी देशों में बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने और वैक्सीन लेने की सलाह दी है।

एक्सीडेंट में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को मिलेंगे 25 हजार

डॉ. मोहन कैबिनेट का बड़ा फैसला, मोदी करेंगे इंदौर मेट्रो, दतिया-सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़क एक्सीडेंट में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। ये काम राहवीर योजना के तहत किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति को रुककर तत्काल एम्बुलेंस को कॉल करना होगा। उसे अस्पताल पहुंचाने में मदद करनी होगी। यह फैसला मंगलवार को इंदौर के राजवाड़ा में हुई डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल आएंगे। दो लाख महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। महिला

कामगारों के लिए केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। पीएम इंदौर मेट्रो, दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक आज इंदौर के राजवाड़ा के गणेश हॉल में हुई। हॉल में देवी अहिल्या की मूर्ति को सीएम से आगे रखा है। मूर्ति के दांयी तरफ सीएम बैठे हैं। बैठक से पहले देवी अहिल्या का स्मरण कर पुष्पांजलि दी गई। सीएम और कुछ मंत्री धोती कुर्ता पहने भगवा दुपट्टा डालकर बैठक में पहुंचे हैं।

● इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण बनेगा

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि आज की बैठक में इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण बनाने का फैसला किया गया। इसमें कुछ हिस्सा देवास और धार का भी मिलाया जाएगा। इसके नियमों को मंजूरी दी गई। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि नगर निगमों के काम प्रभावित न हों। सीएम इसके चेयरमैन होंगे। यहां आने वाले दिनों में पीने के पानी की जरूरत कितनी होगी। खेती के लिए कितने पानी की जरूरत होगी, कितने वाहनों के आवागमन की व्यवस्था करनी होगी। ये सब काम इसमें किए जाएंगे। इसमें सभी विधायक भी अपने सुझाव दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के बाद मंत्रिमंडल के साथ किया भोज

रंजीत टाइम्स

इंदौर। आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक के समापन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने समस्त कैबिनेट मंत्रियों के साथ पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। इस अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए स्थानीय व्यंजनों की भव्य व्यवस्था की गई थी।इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए सभी मंत्रियों को भोजन परोसा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठकर स्वयं भी भोजन किया। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक रूप से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि मालवी संस्कृति और इंदौर की अतिथि सत्कार परंपरा का भी प्रतीक बना।

ग्राम पंचायत गजोरा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम के शिविर का किया आयोजन

शिविर के माध्यम से गरीब एवं कमजोर वर्ग के बालक बालिकाओं को कानून के बारे में दी जानकारियां

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर(शिवपुरी)राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा प्रधान जिला न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी तथा सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी जिला प्राधिकरण जिला शिवपुरी के निर्देश अनुसार तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिछोर के मार्गदर्शन मे कार्यक्रम दिनांक 19 मई मंगलबार को ग्राम गजोरा पंचायत भवन मे तहसील सिविल न्यायालय पिछोर की न्यायाधीश श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड पिछोर के द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से गांव के गरीब एव कमजोर वर्ग के बालिक बालिकाओ को शिक्षा के अधिकार, जेंडर लैंगिक हिसा. बालिक बालिकाओ के अपराध व अपराधिकता से संरक्षण किशोर न्याय अधिनियम, बालिका एवं किशोर श्रम प्रतिशेध.अधिनियम के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया. कार्यक्रम मे विधिक कर्मचारी. धमेन्द राजोरिया, पैरालीगल वालंटियर भानुप्रताप, एडवोकेट लाखन सिंह राजपूत सहित गांव के 45बच्चे उपस्थित रहे।

बंशकार समाज को जातियों की तीन अलग-अलग सूचियों में रखा, एक जगह समाहित करने की उठाई मांग

राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौपा ज्ञापन ।

टीकमगढ़ – केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने की बात कही है, जिसको लेकर अब सभी जातियों में खुशी का माहौल है, कि कही न कही उनकी जाति की अब गिनती की जाएगी और उन्हें अब जनसंख्या के हिसाब से योजनाओं का लाभ मिलेगा । लेकिन मध्यप्रदेश में बंशकार समाज की उपजातियों को तीन अलग-अलग क्रमांको पर दर्शाया गया है, जिससे मध्यप्रदेश में बंशकार समाज तीन हिस्सों में बट गई है, जिसको लेकर आज बंशकार समाज के जिलाध्यक्ष मातादीन बंशकार (रिटायर्ड पटवारी) के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया। जिसमें बंशकार समाज के जिलाध्यक्ष मातादीन बंशकार ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे समाज का प्रमुख पैतृक कार्य बैंड बाजा बजाना, जंगल से बांस काटकर बांस के बर्तन बनाना, प्रसव कार्य करना (जो समाप्त हो गया है) कृषि कार्य एवं पशुपालन करना रहा है। हमारी समाज संपूर्ण भारत में विद्यमान है और वहां के भौगोलिक एवं क्षेत्रीयता के आधार पर अलग-अलग नाम से जानी जाती है। वही मध्य प्रदेश राजस्व भाग 4 (ख) में दिनांक 1 जुलाई 1977 को प्रकाशित प्रथम अनुसूची संविधान (अनुसूचित जाति) धारा 3, अध्यादेश 1950 अनुसूचित जातियों की सूची के अनुसार जहां अन्य जाति अपने सभी क्षेत्रीय एवं उपजाति सहित एक ही क्रमांक या कोड पर अंकित है। वही हमारी समाज की जाति को तीन क्रमांकों पर दर्शाया गया है, जिसमे क्रमांक 6 पर बराहर, बसोड़, क्रमांक 8 पर बसोर, बुस्ड़, बांसौर, बांसोड़ी, बांसफोर, वसार और क्रमांक 20 पर धानुक अंकित किया गया है। उक्त क्रमांक या कोड में दर्शाई गई जातियां एक दूसरे के पूरक हैं एवं सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों का आपस में व्यवहारिकता एवं संबंध है। किंतु अलग-अलग क्रमांकों पर विभक्त होने के कारण आज भी हमारी जाति समाज की मुख्य धारा से कोसो दूर है और राजनीतिक एवं प्रशासनिक लाभो से भी वंचित है।

जनसुनवाई में सुनी गई 103 आवेदकों की समस्याएं

दीपक तोमर

खरगोन। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 20 मई को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप कुमार आगास्या ने अन्य अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 103 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे।

जनसुनवाई में सनावद तहसील के मलगांव निवासी अर्पण जायसवाल ने आवेदन देकर बताया कि उनकी पत्नि सोनिका जायसवाल प्राथमिक विद्यालय चांदनीपुरा में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थी। पत्नि की शासकीय सेवा में रहते हुए 9 मई 2021 को कोविड में ईलाज के दौरान मुत्यु हो गई थी। उनका कहना था कि अनुकम्पा नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन दिया था, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। पत्नि की मृत्यु के 04 वर्ष हो गये है लेकिन अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिली है। अतः मुझे योग्यता के अनुसार योग्य पद पर अन्य किसी भी विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति दिलाई जाए। जनसुनवाई में कसरावद तहसील के ग्राम कठोरा के शिवराज चौहान शिकायत लेकर आया था कि उसके भाई शिवम चौहान की 22 नवंबर 2024 को वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। उसका संबल कार्ड बना हुआ है। उसका कहना था कि शासन की संबल योजना के तहत 04 लाख रुपये की राशि मिलना थी, लेकिन राशि आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई है। जबकि ग्राम पंचायत कठोरा में पूर्ण कागजी कार्यवाही कर आवेदन जमा कर दिया गया है। ग्राम पंचायत के सचिव व सरपंच द्वारा पिछले 06 महिने से बोला जा रहा है कि राशि आ जाएगी, लेकिन राशि प्राप्त नहीं हुई है।

इसी प्रकार जनसुनवाई में भगवानपुरा तहसील के ग्राम कदवाली की सुशीलाबाई अपने पति भीमसिंग की अगस्त 2024 को दुर्घटना मृत्यु हो जाने पर शासन की संबल योजना के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता की मांग लेकर आयी थी। सुशालीबाई का कहना था कि संबल योजना के तहत संबंधित विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। लेकिन जनपद पंचायत भगवानपुरा द्वारा पति भीमसिंह के नाम से कृषि भूमि होना बताया गया एवं योजना के तहत अपात्र घोषित कर आवेदन निरस्त कर दिया गया है। जबकि पति भीमसिंह के नाम से कोई कृषि भूमि नहीं है। अतः मुझे संबल योजना का लाभ दिया जाए। जनसुनवाई में खरगोन जनपद के ग्राम पीपरी के तुकाराम राम खाण्डे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि पुरा परिवार कच्चे व जर्जर मकान में निवास करता है। इस मानसून में मकान के गिरने व परिवार में जनहानि की अशंका बनी रहती है। इस संबंध में खरगोन जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी प्रकार भीकनगांव तहसील के अन्दड़ निवासी लक्ष्मन यादव एवं गोगावां तहसील के ग्राम ठीबगांव बुजुर्ग के गेंदालाल पिता चुन्नीलाल राठौड़ प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। इस संबंध में सबंधित जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है।

जनसुनवाई में भवानपुरा जनपद के ग्रमा पंचायत ढाबला के दयाराम कनासे कपिल धारा कूप निर्माण की मांग लेकर आये थे। उनका कहना है कि वर्ष 2021 व 2022 से कपिल धारा कूप निर्माण के लिए मांग कर रहा हूं, लेकिन अब तक कूप निर्माण के लिए स्वीकृति नहीं मिली है। ग्राम पंचासत के सचिव, सरपंच व रोजगार सहायक द्वारा आये दिन झूठ बोला जा रहा है। जिस कारण मुझे सिंचाई करने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अतः उसे कपिल धारा कूप निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जाए। जनसुनवाई में गोगावां तहसील के ग्राम खारदा के विकास पिता हुकुम मांग लेकर आये थे कि उनका नाम ग्राम पंचायत खारदा से हटाकर ग्राम पंचायत गोवाड़ी में मेरी दादी की समग्र आईडी में जोड़ा जाए। उनका कहना था कि दादी की देखरेख करने वाला कोई नहीं है। अतः दादी की समग्र आईडी में मेरा व मेरी पत्नी का नाम जोड़ा जाए।

उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित सैंकड़ों छात्रों को किया गया सम्मानित

दैनिक रणजीत टाइम्स

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में चयनित हुए सैकड़ों जवानों के सम्मान हेतु आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी के द्वारा आयोजित किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष दक्षिण शिवराम सिंह एवं जिलाध्यक्ष कानपुर देहात रेणुका सचान सहित जिला पंचायत सदस्य आलोक सचान दिलीप सचान के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने बताया कि विगत कई वर्षों से उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के तकरीबन 13 हजार छात्र छात्राओं को एकेडमी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण से विभिन्न विभागों में चयन हो सका है। बेहतर फिजिकल तैयारियों एवं कड़े निर्देशों की बदौलत ही कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी भारत में छात्र छात्राओं की पहली पसन्द है। आज करीब 335 छात्र छात्राओं को सम्मानित कर वह खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने डायरेक्टर सौरभ शुक्ला की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपकी कुशल क्षमता एवं निर्देशन के कारण ही आज भारी

संख्या में जवानों को सम्मानित करने का मौका मिला है। वहीं दूसरी ओर जिलाध्यक्ष देहात रेणुका सचान ने कहा कि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पुलिस भर्ती में चयनित हुए बच्चों को सम्मानित कर रही है। यह कानपुर नगर के लिए सौभाग्य का विषय है कि कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी यहां है। डायरेक्टर सौरभ शुक्ला अपने संबोधन में छात्र छात्राओं सहित अभिभावकों को बताया कि एकेडमी की स्थापना करने का मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को मदद पहुंचना है। श्री शुक्ला ने खुले मंच से कहा कि अन्य एकेडमी व्यापार करती होगी किन्तु कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करती हैं। अगर किसी मजबूर निर्धन छात्र या छात्रा के पास पैसे का अभाव है तो वह निसंकोच उनसे मिले। डायरेक्टर सौरभ शुक्ला के यह वाक्य सुन प्रांगण में मौजूद सभी की आंखे नम हो उठी। सभी चयनित छात्रों को बाबा श्री श्याम खाटू जी महाराज का चित्र एवं मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान भारत माता की जय वंदे मातरम के जोरदार नारे लगाए गए। मुख्य रूप से कोच विपिन सर राजू बॉक्सर मैनेजर शैलेन्द्र यादव तथा संचालन एडवोकेट रोहित मिश्रा के द्वारा किया गया।

माधुर्य, साक्षी भाव तथा प्रेम की उत्पत्ति का केंद्र है विशुद्धि चक्र

दैनिक रणजीत टाइम्स

पाँचवाँ चक्र विशुद्धि चक्र के नाम से जाना जाता है। मनुष्य की गर्दन में इसकी रचना है, इसमें सोलह पंखुड़ियाँ होती है जो कान, नाक, गला जिव्हा तथा दाँतो आदि की देखभाल करती है। दूसरों से सम्पर्क स्थापित करने का दायित्व भी इसी चक्र का है क्योंकि अपनी आँखें, नाक, कान, वाणी तथा हाथों के द्वारा हम दूसरों से सम्पर्क करते हैं। शारीरिक स्तर पर यह चक्र ग्रीवा केन्द्र के लिये कार्य करता है। (सहजयोग) विशुद्धि चक्र के नियंत्रक देवता श्री कृष्ण, श्री राधा तथा श्री विष्णु माया हैं। इनकी जागृति हमें माधुर्य, साक्षी स्वरूप तथा सत्य के प्रति सजगता का भाव प्रदान करती है। विशुद्धि उन गुणों को दर्शाती है जो दूसरों के साथ हमारे संचार को नियंत्रित करते हैं। जैसे-जैसे यह जागृत होता है, हम अधिक आत्म-सम्मान (बाएं विशुद्धि) और दूसरों के लिए अधिक सम्मान (दाएं विशुद्धि) पाते हैं। प्रशंसा से हमारा अहंकार फलता नहीं है और हम आक्रामकता या आलोचना से परेशान नहीं होते। विशुद्धि चक्र ही वह चक्र है जो साक्षी होने की शक्ति को प्रकट करता है। सहज ध्यान के दैनिक अभ्यास से हम अपनी आत्मा के साथ एकाकार हो जाते हैं। अपनी आत्मा के साथ एकता की इस अवस्था में हम अपने शरीर, अपने मन, अपने विचारों, अपनी भावनाओं और अंततः अपने जीवन के नाटक के साक्षी बन जाते हैं।

विशुद्धि चक्र के लाभ

यह हमें संवाद करने की अनुमति देता है आकर्षक व्यक्तित्व निर्माण होता है पांचों इंद्रियों को सक्षम बनाता है, हंसा चक्र को नियंत्रित करता है इस चक्र के द्वारा एकता का अनुभव होता है। विशुद्धि चक्र में असंतुलन से व्यक्ति में सामूहिकता की भावना में कमी आती है गले से संबंधित रोग, फ्लू, आवाज का खो जाना अवसाद, सरवाइकल कैंसर, पाँच इंद्रियों की समस्याएँ, स्पांडिलाइटिस, एंजाइना आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।इस चक्र की पुष्टि के लिए गुनगुने पानी व नमक के गरारे करना, अजवायन और तुलसी का प्रयोग करना, मुंह, दांत तथा जीभ की प्रतिदिन सफाई करना, कुछ मात्रा में मक्खन का प्रयोग करना आदि उपाय करने चाहिए। साथ ही दूसरों से मीठा बोलने का गुण विकसित करें। खाने के स्वाद पर कम ध्यान दें। सहजयोग में नियमित ध्यान के साथ श्री माताजी के समक्ष प्रार्थना करने से भी हमारा विशुद्धि चक्र सुदृढ़ व संतुलित होता है। मां के समक्ष विनती करें, "माँ, मैं बिल्कुल भी दोषी नहीं हूँ।" "माँ, मुझे साक्षी बनाओ, कृपया मुझे समग्र का हिस्सा बनाओ।" "माँ, कृपया मेरी सारी आक्रामकता और प्रभुत्व को दूर भगाओ।" "माँ, मुझे एक मधुर आवाज़ दो, और मुझे एक मधुर सामूहिक व्यक्ति बनाओ। सभी को माफ़ करो और अपने गुस्से को शांत करो। लोगों के साथ बहस मत करो या लोगों को अपने दृष्टिकोण के बारे में समझाने में बहुत समय बर्बाद मत करो।

सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 वेबसाइट www.sahajayoga.org.in

नांदेड़ ज़िलें के धर्माबाद शहर में सड़क हादसे बढ़े, उपजिला अस्पताल अब तक क्यों नहीं?

उपजिला अस्पताल का सपना अधूरा, जनता कर रही है इंतजार धर्माबाद तालुखे में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर दिन दो-तीन गंभीर दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन उपजिला अस्पताल ट्रॉमा केयर जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। इसके कारण गंभीर घायलों को नांदेड या निजामाबाद भेजना पड़ता है, जिससे समय पर इलाज नहीं मिल पाता और जान का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने कई बार उपजिला अस्पताल शुरू करने और ट्रॉमा सेंटर बनाने की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सवाल उठता है – आखिर इलाज के लिए सुविधाएं कब मिलेंगी?

शेरों की रेस में लकड़बग्घे भी देंगे दस्तक

भारत से हार का मुनीर को मिला इनाम, बन गए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल

प्रवेश सिंह

विशेष रिपोर्ट

भारत के ऑपरेशन सिंदूर का सामना करने में विफल रहे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को शहबाज सरकार की ओर से इनाम मिला है। दुनिया भर में अपनी किरकिरी कराने वाले असीम को पाकिस्तान ने फील्ड मार्शल बनाया है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल असीम मुनीर को भारतीय सेन से मिली शिकस्त का इनाम दिया गया है। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने मंगलवार को सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया। भारत से हार का मुनीर को मिला इनाम, बन गए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल शहबाज सरकार को डर था कि कहीं आसिम मुनीर देश में तख्तापलट कर सैन्य शासन न लगा दे। यह निर्णय प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में संघीय कैबिनेट की बैठक के दौरान लिया गया। उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और संघीय कैबिनेट को उन पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद दिया।भारत से हार का मुनीर को मिला इनाम, बन गए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल

यह वही पाकिस्तान सेना प्रमुख मुनीर है जो लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता रहा है। भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में असीम मुनीर पूरी तरह से विफल रहे थे। अपनी हार को छिपाने के लिए मुनीर ने भारत के खिलाफ जमकर झूठ फैलाया था। मुनीर के झूठे प्रोपेगेंडा से खुश होकर पाकिस्तान की सरकार ने उन्हें तोहफे के तौर पर ये पद दिया है। असीम मुनीर पाकिस्तान सेना में इस पद तक पहुंचने वाले दूसरे सेना प्रमुख हैं। पाकिस्तान के इतिहास में आसिम मुनीर से पहले 1959 में अयूब खान को फील्ड मार्शल बनाया गया था।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड रहा मुनीर

14 फरवरी, 2019 को जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर पुलवामा के पास सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमले का असली मास्टरमाइंड असीम मुनीर को माना जाता है। भारत से नफरत और क्रूर साजिशें रचने में माहिर मुनीर आतंकियों को पालने के लिए कुख्यात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस दोनों के प्रमुख रह चुके हैं। असीम मुनीर के नेतृत्व वाली सैन्य प्रतिष्ठान को खुली छूट मिलने की उम्मीद थी, जिसने पहले ही पाकिस्तान में लोकतंत्र को दबा दिया है।

कितना अहम होता है फील्ड मार्शल का पद

फील्डमार्शलकारैंकजनरलकेपदसेऊपरहोतीहै। फील्ड मार्शल के यूनिफॉर्म पर पांच सितारे लगे होते हैं। इसे युद्ध असाधारण सैन्य उपलब्धियों या विशेष परिस्थिति में प्रदान किया जाता है।

कितना पावरफुल है ये पद फील्ड मार्शल को आजीवन सैन्य अधिकारी माना जाता है। वह मृत्यु तक इस रैंक के सम्मान और सुविधाओं के हकदार रहते हैं और सेना से आजीवन वेतन और भत्ता लेते हैं।

मुनीर, साल 2027 तक पाकिस्तान का आर्मी चीफ बना रहेगा। पाकिस्तान में मुनीर की ताकत कितनी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने शुरू में ही अपना कार्यकाल तीन की बजाए पांच साल तक के लिए बढ़वा लिया था। जनरल मुनीर को हर महीने लगभग 2.5 लाख पाकिस्तानी रुपये वेतन के रूप में मिलते हैं, जो भारतीय रुपये में करीब 75,000 होता है। मुनीर का एहसान चुका रही शहबाज सरकार एक तरफ जहां पाकिस्तान की आम जनता की मांग है कि आसिम मुनीर को सेना पद से हटाया जाए। वहीं, दूसरी ओर शहबाज सरकार ने उसे ये तोहफा देकर दिखाया कि सरकार मुनीर के साथ खड़ी है। शहबाज सरकार को डर था कि कहीं आसिम मुनीर देश में तख्तापलट कर सैन्य शासन न लगा दे। आसिम मुनीर की मेहरबानी का शहबाज सरकार कर्ज उतार रही है। बता दें कि पाकिस्तान आम चुनाव में पाकिस्तानी सेना ने शहबाज सरकार को सत्ता पर बैठाया था।

भारत में फील्ड मार्शल

-भारतीय सेना में फील्ड मार्शल (Field Marshal) सर्वोच्च रैंक है।* यह रैंक विशिष्ट सेवा और राष्ट्र के प्रति असाधारण योगदान देने वाले अधिकारी को दी जाती है। यह एक औपचारिक पद है और फील्ड -मार्शल आखिरी सांस तक सेवारत अधिकारी माने जाते हैं और उनको जनरल के बराबर सैलरी मिलती रहती है।

-फील्ड मार्शल को भी सेना के अन्य उच्च अधिकारियों के तहत ही सुविधाएं मिलती हैं, जिसमें- घर, पेंशन, ट्रांसपोर्ट और मेडिकल जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं।

-भारत में फील्ड मार्शल रैंक का सम्मान केवल दो लोगों को प्रदान किया गया है।

-पहली बार 1973 में सैम मानेकशॉ को यह सम्मान दिया गया था। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

-दूसरी बार 1986 में के.एम. करियप्पा को रिटायरमेंट के बाद यह सम्मान दिया गया था। फील्ड मार्शल का रैंक सामान्य रूप से जनरल के पद से ऊपर होती है। फील्ड मार्शल के यूनिफॉर्म पर पांच सितारे लगे होते है। इसे युद्ध असाधारण सैन्य उपलब्धियों या विशेष परिस्थिति में प्रदान किया जाता है। भारत, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, पाकिस्तान सहित कई देशों में प्रसिद्ध है।

बंगाल में शिक्षकों का प्रदर्शन जारी ममता बोलीं-बाहरी लोग शामिल

● हर चीज की लक्ष्मण रेखा होती है,आंदोलन करने के बजाय कोर्ट में केस लड़िए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके करीब टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ का पिछले 6 दिनों से प्रदर्शन जारी है। सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि आंदोलन करने वालों में शिक्षक कम, बाहरी लोगों की संख्या ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं किसी भी प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन एक लक्ष्मण रेखा होती है। जैसे मैं किसी को नहीं रोक सकती, वैसे ही मुझे भी कोई नहीं रोक सकता। आंदोलन करने के बजाय उन्हें कोर्ट में अपना केस लड़ना चाहिए। हम पूरी मदद करेंगे। ममता ने कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। दरअसल, 15 मई को शिक्षकों ने कोलकाता में शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन के बाहर प्रदर्शन शुरू किया था। इस दौरान सुबह 11 बजे से रात 8.30 बजे तक एक प्रेग्नेंट महिला सहित कई सौ सरकारी कर्मचारी बिल्डिंग के अंदर फंसे रहे। रात में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और विकास भवन परिसर में घुस गए।

इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब 100 शिक्षक घायल हो गए थे। 19 पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। ममता ने घटना की आलोचना करते हुए कहा, प्रदर्शन के दौरान एक प्रेग्नेंट महिला को घर जाने नहीं दिया गया। वह 20 घंटे तक बिल्डिंग के अंदर फंसी। एक छात्रा घर जाने के चलते बिल्डिंग से कूद गई।

राहुल गांधी की पाक सेना प्रमुख के साथ वायरल फोटो पर छिड़ा सियासी संग्राम, विपक्ष ने युद्ध विराम पर उठाए सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश की सियासत में उस वक्त घमासान मच गया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसमें उन्हें पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के साथ दिखाया गया। इस तस्वीर को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जहां बीजेपी ने इस तस्वीर को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एमपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पलटवार करते हुए केंद्र सरकार से युद्धविराम को लेकर तीखे सवाल पूछे हैं। उमंग सिंघार ने राहुल गांधी की वायरल फोटो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान बार-बार भारत पर हमला करता है, तो फिर यह युद्धविराम क्यों किया गयाड उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार ने सेना से पूछा कि युद्धविराम की जरूरत क्यों पड़ीड उन्होंने यहां तक कहा कि जब तक पाकिस्तान के दो टुकड़े नहीं होते, तब तक युद्ध जारी रहना चाहिए था। उनके अनुसार जनता की भावना यह है कि पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई में पूरी तरह सबक सिखाया जाना चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार ने युद्ध को रोककर लोगों की भावना के विपरीत काम किया। सिंघार ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी खुद सेना को बार-बार राजनीतिक बहस में घसीटकर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जब सरकार की विफलताओं की बात होती है, तो बीजेपी अपने मंत्रियों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करती है, लेकिन जब सेना की बहादुरी या रणनीतिक फैसलों पर सवाल

उठते हैं, तो वही बीजेपी अपने विरोधियों पर उंगली उठाने लगती है। उनका कहना है कि युद्ध विराम को लेकर पारदर्शिता जरूरी है और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किन परिस्थितियों में यह निर्णय लिया गया।गौरतलब है कि बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी की पाक सेना प्रमुख के साथ एक कथित फोटो शेयर करते हुए उन्हें पाकिस्तान की मीडिया और रणनीतिक हलकों के सुर में सुर मिलाने वाला बताया। मालवीय ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी वही बातें कर रहे हैं जो पाकिस्तान की थिंक टैंक और मीडिया में चल रही हैं। इसी फोटो को लेकर अब बीजेपी इसे कांग्रेस की पाकिस्तान परस्ती से जोड़ रही है। हालांकि कांग्रेस की तरफ से अब तक इस तस्वीर की सत्यता को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं आया है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह फोटो या तो फर्जी है या गलत संदर्भ में प्रस्तुत की जा रही है। वहीं राजनीतिक विश्लेषक इसे चुनावी मौसम में सोशल मीडिया युद्ध का हिस्सा मान रहे हैं, जहां छवि निर्माण और ध्रुवीकरण को सबसे बड़ा हथियार बनाया जा रहा है।

मेट्रो प्रोजेक्ट में 'पाक परस्त कंपनी' को ठेका देने पर बवाल: जयवर्धन सिंह बोले - सवाल अब सिर्फ ठेके का नहीं, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा का है

भोपाल। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने राज्य की मोहन सरकार पर इंदौर और भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मेट्रो परियोजना का डिजिटल सिस्टम और टोकन गेट्स का ठेका जिस तुर्की कंपनी को दिया गया है, वह कंपनी पाकिस्तान द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल की जा चुकी है। जयवर्धन सिंह ने यह मुद्दा इंदौर में आयोजित हो रही मुख्यमंत्री मोहन यादव की विशेष कैबिनेट बैठक से ठीक पहले उठाया, जिससे यह सवाल अब केवल तकनीकी ठेके से बढ़कर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ गया है। जयवर्धन सिंह ने सोशल मीडिया पर तीखा हमला बोलते हुए लिखा कि यह मुद्दा केवल जांच का नहीं बल्कि ठोस कार्रवाई का है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार अब भी सिर्फ जांच के पर्चे थमाएगी या देशहित में साहसिक निर्णय लेगीड कांग्रेस विधायक ने तुर्की की "Asis Guard" कंपनी का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि इसी कंपनी के 'सोंगर' ड्रोन को पाकिस्तान ने भारत में आतंकी हमलों के लिए इस्तेमाल किया है और अब वही कंपनी मध्यप्रदेश में मेट्रो के डिजिटल सिस्टम और सिक्योरिटी उपकरणों की आपूर्ति कर रही है।

जयवर्धन का कहना था कि यह फैसला केवल एक ठेका देने का नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से खिलवाड़ करने का मामला बन चुका है। उन्होंने पूछा कि क्या इस मुद्दे को कैबिनेट बैठक में उठाया जाएगा और सरकार इस पर क्या रुख अपनाएगीड वहीं मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि इस तुर्की कंपनी के खिलाफ सरकार को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह सरकार की सोच और नीयत पर बड़ा सवाल है कि जिस कंपनी के ड्रोन पाकिस्तान की सेना और आईएसआई के हाथों में रहे हैं, उसी पर मेट्रो जैसी संवेदनशील परियोजनाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिंगार ने कहा कि जब यह कंपनी भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी है, तो फिर क्या कारण है कि सरकार आज तक इसके खिलाफ कोई निर्णय नहीं ले पाईड इस पूरे विवाद ने मेट्रो परियोजना पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर सरकार इस परियोजना को विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक बता रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से खतरनाक बता रहा है। इस प्रकरण ने राज्य में 'गुरु-चेले की राजनीति' को लेकर भी कटाक्षों का नया दौर शुरू कर दिया है, जहां कांग्रेस इसे भाजपा के पुराने नेताओं और वर्तमान नेतृत्व के बीच की सत्ता संघर्ष का परिणाम मान रही है।

खरगोन में दूषित पानी पीने से फैली बीमारी से मचा हड़कंप, 350 लोग बीमार, एक महिला की मौत, सरपंच-सचिव और उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस

खरगोन। जिले में दूषित पेयजल संकट जानलेवा साबित हुआ है। झिरन्या तहसील के ग्राम मिटावल में कुएं का दूषित पानी पीने से सैकड़ों लोग बीमार हो गए हैं। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, 13 मई को गांव के लोगों ने जब सामान्य रूप से कुएं का पानी पीया, तो उसके कुछ ही घंटों के भीतर उल्टी-दस्त की शिकायतें शुरू हो गईं। यह संख्या तेजी से बढ़ती गई और देखते ही देखते लगभग 350 लोग इसकी चपेट में आ गए। बुरी तरह बीमार हुए ग्रामीणों को इलाज के लिए खरगोन सहित अन्य नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति में कुछ मरीजों को खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, इलाज के दौरान मिटावल की 30 वर्षीय महिला मंजू की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मंजू एक किसान परिवार से ताल्लुक रखती थीं और उनकी दो साल की बेटी भी है। इस घटना से गांव में मातम और भय का माहौल व्याप्त है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत मिटावल के सरपंच, सचिव और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साथ ही पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि पानी में क्लोरीन नहीं मिलाया गया था, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका को बल मिला है। वर्तमान में लगभग 40त लोग अभी भी इस संक्रमण से पीड़ित हैं और उन्हें गांव में लगाए गए विशेष चिकित्सा शिविरों के माध्यम से इलाज दिया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ और जनपद पंचायत के अधिकारियों ने गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और कहा कि मृत महिला की मौत के कारणों की गहन जांच कराई जा रही है। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही को उजागर कर दिया है। गांव के लोगों ने बताया कि पेयजल की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी, लेकिन शिकायतों के बावजूद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब जब एक जान जा चुकी है और सैकड़ों लोग अस्पतालों में भर्ती हैं, तब अधिकारियों की नींद टूटी है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु पर अभद्रता का मामला: हाईकोर्ट ने जांच रिपोर्ट पर जताई नाराजगी, कलेक्टर को दोबारा जांच के निर्देश

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजेश कुमार वर्मा के खिलाफ छेड़छाड़ और प्रताड़ना के आरोपों की जांच रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कोर्ट ने जांच में पेश किए गए सीसीटीवी फुटेज को अपर्याप्त बताते हुए फिर से पूरी जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हाईकोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि इस बार संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो मामले की जांच किसी अन्य एजेंसी से कराई जाएगी। यह मामला 21 नवंबर 2024 का है, जब एक महिला अधिकारी ने आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय के कुलगुरु ने एक बैठक के दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और गंदे इशारे किए। महिला अधिकारी ने शिकायत कई स्तरों पर की, लेकिन उचित कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय का रुख किया था। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में भी घटना वाले दिन के सीसीटीवी फुटेज पेश करने के निर्देश दिए थे। इस बार कोर्ट ने जबलपुर कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे जांच अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए दस्तावेजों और सभी संबंधित सीसीटीवी फुटेज का विस्तृत विश्लेषण कर रिपोर्ट सौंपें। कोर्ट ने यह भी पूछा था कि घटना वाले दिन बैठक कक्ष का सीसीटीवी फुटेज चालू था या नहीं, जो अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

भारत में पकड़े गए जासूस मामले पर दिग्विजय सिंह का तीखा हमला: BJP-RSS पर उठाए मुखबिरी और पाकिस्तान संबंधी सवाल

भोपाल। भारत में पकड़े गए जासूसों के मामले को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि क्या बीजेपी और आरएसएस का जासूसी का इतिहास है और इनका पाकिस्तान के साथ क्या रिश्ता है। दिग्विजय सिंह ने अपने पोस्ट में कहा कि हाल ही में खबर आई है कि देश में आईएसआई से जुड़े कई जासूस पकड़े गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से डीआरडीओ के अधिकारी प्रदीप कुरुलकर का नाम लिया, जो आरएसएस से जुड़ा था और पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारियां देता था। साथ ही उन्होंने बीजेपी के सदस्य ध्रुव सक्सेना का भी जिक्र किया, जिन्हें आईएसआई के लिए काम करते हुए पकड़ा गया। दिग्विजय सिंह ने सवाल किया कि इन लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई और क्या बीजेपी-आरएसएस की तरफ से ऐसे मामलों का कोई इतिहास रहा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और कहा था कि समस्या बॉर्डर पर नहीं बल्कि दिल्ली में है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि आज यही समस्या सामने आ रही है जहां देश के अंदर ऐसे लोग हैं जो पाकिस्तान को महत्वपूर्ण जानकारियां पहले ही दे देते हैं। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को लेकर भी कटाक्ष किया कि ऐसे बयान देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं और देश को हंसी का पात्र बनाते हैं।

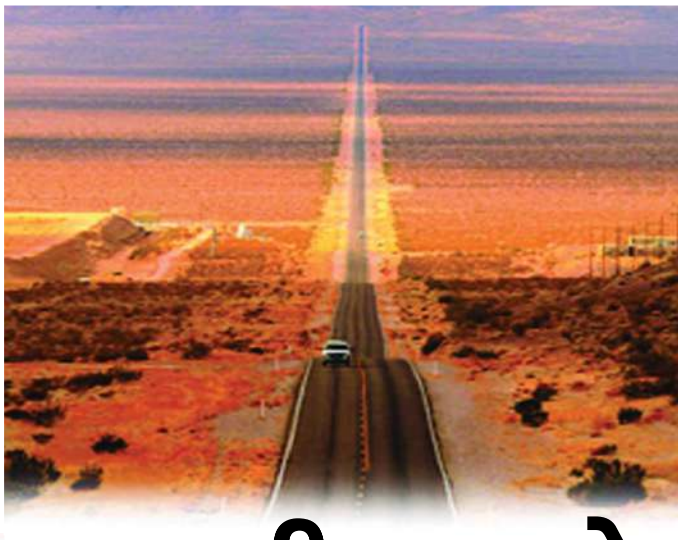

दुनिया की सबसे गर्म जगहें

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका

दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। इस जगह का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया है। सहरा दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

डेथ वैली, कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन

चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

ल अजीजिया, लीबिया

लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी। हालांकि इस इलाके में गर्मी बहुत अधिक पड़ती है।

सोनोरन रेगिस्तान, अमेरिका

अमेरिका से उत्तरी मेक्सिको तक यह रेगिस्तान फैला है, जहां पर जानलेवा गर्मी पड़ती है। इसके साथ ही यहां कैक्टस के पौधे हैं जो बेहद खतरनाक हैं। यह रेगिस्तान एरिजोना प्रांत में स्थित है जहां कुछ दुर्लभ जगुआर देखने मिलते हैं। यहां का औसत तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाता है।

60 हजार साल पुरानी बांसुरी है स्लोवेनिया के म्यूजियम में ...

निएंडरथल मानव भी संगीत प्रेमी रहा होगा इसका सबूत है यह हजारों साल पुरानी बांसुरी। चित्र में दिखाई दे रही बांसुरी दुनिया की सबसे पुरानी बांसुरी बताई जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार करीब 60 हजार साल पुरानी है ये बांसुरी। इसकी पड़ताल करने के बाद विशेषज्ञों ने पाया है कि इसे निएंडरथल मानव ने युवा भालू की जांघ की हड्डी से उस काल में बनाया था। इस बांसुरी को स्लोवेनिया के तटीय क्षेत्र के एक छोटे से शहर सेर्कनो की प्राचीन गुफाओं में खोजा गया है और इसमें आजकल की सामान्य बांसुरी की तरह छेद भी हैं। इसमें कुल 4 छेद हैं। विशेषज्ञों ने बारीकी से जांच करने के बाद जो जानकारियां जुटाई हैं, उनमें उन्हें पता चला है कि इसके छिद्रों और इनका आकार-प्रकार पूरी तरह से एक साज को दिमाग में रखकर उस समय के मानव ने बनाया है। मतलब वे संगीत प्रेमी भी थे और निर्माण कौशल भी उनमें था। वर्तमान में 11.4 सेमी की इस बांसुरी के इस अवशेष को स्लोवेनिया के नेशनल म्यूजियम में रखा गया है।

लोग मिलते रहे, इसलिए हैलो किटी की थीम पर बनाया कैफे

कनाडा के बैंकूवर में मशहूर कार्टून हैलो किटी की थीम पर एक कैफे बना हुआ है। यह कैफे दोपहर में खुलता है। लेकिन हैनो किटी के प्रशंसकों की लाइन्स सुबह से ही इस कैफे के बाहर लग जाती है। कैफे के मालिक केन लेम चेठक हैंग का कहना है कि कोविह महामारी के बाद लोगों ने मिलना-जुलना काफी हद तक बंद कर दिया था। हम कुछ ऐसा करना चाहता थे कि लोग मिल सके, बैठ सके और बातचीत कर सकें। इसलिए लैम ने हैलो किटी कैफे खोलने का विचार किया। यहां मिलने वाली चाय और केक हैलो किटी की थीम पर आधारित हैं। इसके अलावा आप यहां से हेलो किटी की थीम पर आधारित बेसबॉल और मग भी खरीद सकते हैं।

आराम के लिए बनाए बूथ

कैफे में सबसे ज्यादा आइस्ड मिल्क टी पी जाती है। इसमें चमेली का हल्का स्वाद होता है। कैफे में मशहूर पॉप कल्चर आइकन के इर्द-गिर्द रंग और सजावट की गई है। कैफे की दूसरी मंजिल पर हैलो किटी का सिग्नेचर धनुष रखा हुआ है। यहां खाने के लिए सुंदर बुथ बनाए गए हैं, जहां आप आराम भी कर सकते हैं। कैफे के मालिक लेम का कहना है कि हेलो किटी 50 सालों से दोस्ती और दयालुता की राजदूत ही है और यह कैफे उनका जश्न मनाने की शानदार जगह है।

आईपीएल: हर्षल पटेल ने बुमराह-मलिंगा को भी छोड़ा पीछे, 150 विकेट चटकाकर बनाया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) का 61वां मैच आज सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच खेला गया. इस मैच में हैदराबाद ने लखनऊ को 6 विकेट से मात दी और लखनऊ की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को भी चकनाचूर कर दिया. इस मैच में एसआरएच के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने आईपीएल इतिहास में सबसे तेज़ 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

उन्होंने इस उपलब्धि के साथ लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है. हर्षल पटेल ने यह उपलब्धि मैच के 16वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने एडन मार्करम को 61 (38 गेंदें) पर क्लीन बोल्ड किया. इस विकेट के साथ उन्होंने आईपीएल में 2381 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए. उन्होंने लसिथ मलिंगा (2444 गेंदें) और युजवेंद्र चहल (2543 गेंदें) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया. हर्षल इस सीजन में अब तक 11 पारियों में 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से 5वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उनका औसत 24.26 है और उन्होंने दो बार चार विकेट लिए हैं.

150 आईपीएल विकेट
सबसे कम गेंदों में

1. 2381 गेंदें - हर्षल पटेल
2. 2444 गेंदें - लसिथ मलिंगा
3. 2543 गेंदें - युजवेंद्र चहल
4. 2656 गेंदें - ड्वेन ब्रावो
5. 2832 गेंदें - जसप्रीत बुमराह

बता दें कि हर्षल पटेल दो बार पर्पल कैप जीत चुके हैं. 2021 में आरसीबी के लिए खेलते हुए 32 विकेट लिए और 2024 में पीबीकेएस के लिए उन्होंने 24 विकेट लिए थे.

उदयपुर डिविजन चेंबर ऑफ कॉमर्स का क्रिकेट महाकुंभ 24 मई से, 52 टीमों के बीच होगा मुकाबला

क्रिकेटर अजय जडेजा करेंगे शुभारंभ

उदयपुर, एजेंसी। चेंबर ऑफ़ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन द्वारा पहली बार शहर में एक भव्य रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 मई से 31 मई 2024 तक फील्ड क्लब मैदान पर होगा, जिसमें उदयपुर के विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशनों की 52 टीमें भाग लेंगी। इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा। चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि उदयपुर में पहली बार चैंबर में रजिस्टर विभिन्न व्यापारिक संगठनों की सामूहिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सर्वसम्मति से संजय भंडारी को संयोजक नियुक्त किया है। सिंघवी ने बताया कि प्रतियोगिता 24 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक आयोजित की जाएगी। इस आयोजन के लिए गठित कोर कमेटी में पारस सिंघवी, राजमल जैन, हिम्मत बडाला, संजय भंडारी, अशोक काबरा, कैलाश सोनी, देवनारायण धायभाई, राकेश जैन, हरीश चावला, अजय पोरवाल, भंवरलाल सुहालका, बृजलाल सोनी, हिमांशु गुप्ता, जगदीश मेनारिया, नितिन सेठ मनोज जैन, जयेश चंपावत को सम्मिलित किया गया है। अजय जाडेजा, सी पी जोशी, राजपरिवार सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ करेंगे शुभारंभ। क्रिकेट प्रतियोगिता संयोजक संजय भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा इस दौरान राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर सांसद मन्ना लाला रावत, उदयपुर ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। पूर्व क्रिकेटर अजय जाड़ेजा को चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी द्वारा विशेष निमंत्रण भेजा गया जिसको स्वीकार कर उन्होंने इस महाकुंभ के शुभारंभ हेतु अपनी अनुमति प्रदान की है। अजय जाडेजा अपने समय के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रहे हैं।

आपसी संबंध स्थापित करेगा यह आयोजन।

प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन ने बताया कि चेंबर से संबंधित व्यापार मंडल के सदस्य ही इसमें खेल पाएंगे, यह आयोजन शुद्ध रूप से व्यापारिक समारोह है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेंगे। यह आयोजन उदयपुर में व्यापारिक संगठनों के बीच नए संबंध की इमारत स्थापित करेगा। उद्घाटन एवं समापन पर चेंबर पूरी कार्यकारिणी एवं उदयपुर का संपूर्ण व्यापार जगत की उपस्थिति रहेगी। अभी तक 52 व्यापार मंडलों की क्रिकेट टीमों की स्वीकृति सफल आ चुकी है।

नियमों की कठोरता से होंगी पालन

प्रतियोगिता सहसंयोजक कैलाश सोनी एवं अशोक काबरा ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल एवं निर्विवाद बनाने के लिए सामूहिक रूप से नियम एवं शर्ते तय की गई है नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार से कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा एव सभी संगठनों को नियमों की पालना करनी होगी।

अर्जुन कपूर पर चढ़ा नया शौक कहा-

मैं बाथरूम सिंगर बनना चाहता हूं

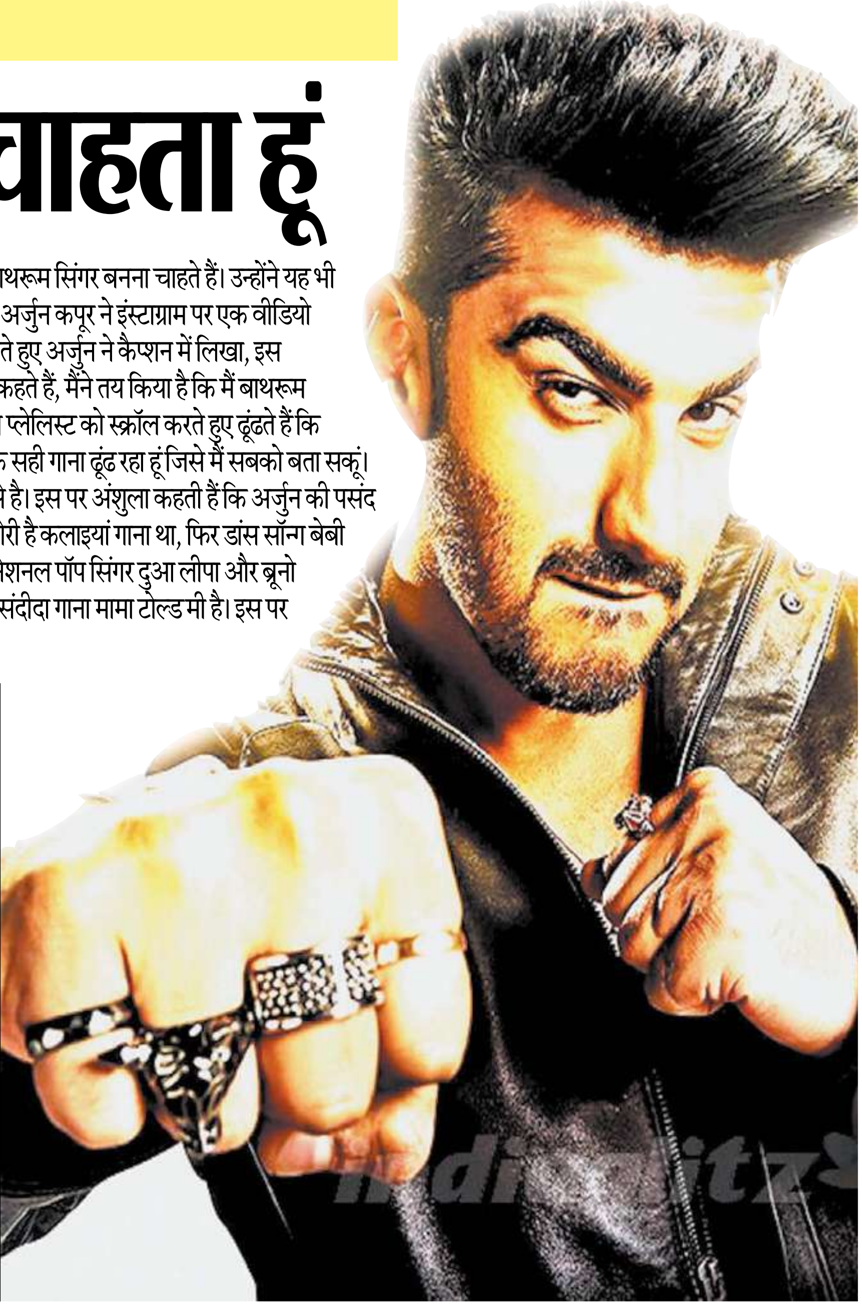

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मजाकिया अंदाज में कहते दिख रहे हैं कि वो बाथरूम सिंगर बनना चाहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन दिनों उनका पसंदीदा गाना मामा टोल्ड मी है, जो साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म एक अजनबी के हिट गानों में से एक है। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बहन अंशुला के साथ बैठे नजर आ रहे हैं और म्यूजिक के बारे में बात कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अर्जुन ने कैप्शन में लिखा, इस प्लेलिस्ट का कोई एक स्टाइल नहीं है... बस जज्बात हैं। आपकी प्लेलिस्ट में इस समय सबसे अजीब गाने कौन से हैं? वीडियो में अर्जुन कहते हैं, मैंने तय किया है कि मैं बाथरूम सिंगर बनना चाहता हूं। इस पर उनकी बहन अंशुला ने हंसते हुए कहा, इस घर में हर साइज के पोर्टेबल स्पीकर हैं। इसके बाद एक्टर अपनी प्लेलिस्ट को स्क्रॉल करते हुए ढूंढते हैं कि उन्होंने आखिरी पॉप सॉन्ग कौन सा सुना था। इस दौरान वह मजाक में कहते हैं, मेरा म्यूजिक कलेक्शन कितना अजीब है। मैं बस ऐसा एक सही गाना ढूंढ रहा हूं जिसे मैं सबको बता सकूं। उन्होंने अपनी प्लेलिस्ट में से एक गाना चुना और बताया कि आया रे तूफान उनका पसंदीदा गाना है, जो विक्की कौशल की फिल्म छावा से है। इस पर अंशुला कहती हैं कि अर्जुन की पसंद का कोई ठिकाना नहीं है, कभी कोई गाना, कभी कोई और। उनकी प्लेलिस्ट में हर तरह के गाने हैं। अर्जुन बताते हैं, मेरी प्लेलिस्ट में पहले गोरी है कलाइयां गाना था, फिर डांस सॉन्ग बेबी जॉन, और फिर अचानक इमोशनल गाना दूरियां आ गया, जो 2007 की लव आजकल फिल्म का गाना है। एक्टर ने बताया कि वह इंटरनेशनल पॉप सिंगर दुआ लीपा और ब्रूनो मार्स के भी गाने सुनते हैं। अर्जुन आगे कहते हैं, ओह, इस समय मेरा पसंदीदा गाना अगर मैं बताऊंगा, तो आप लोग हंसेंगे। इन दिनों मेरा पसंदीदा गाना मामा टोल्ड मी है। इस पर अंशुला कहती हैं कि अब अर्जुन पुराने गानों में दिलचस्पी लेने लगे हैं।

लस्ट स्टोरी 3 सीरीज में दिखाई देंगी राधिका

ल स्ट स्टोरी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की सबसे चर्चित और लोकप्रिय वेब सीरीज में से एक हैं। अब तक इसके 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला। लस्ट स्टोरी के तीसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है। खबर यह है कि लस्ट स्टोरी 3 के लिए राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा ने पहली बार हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... सीरीज के एक पार्ट में राधिका और कोंकणा नजर आएंगी। इस पार्ट का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी करने वाले हैं। सीरीज की कहानी तैयार हो चुकी है और इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। इसमें अभिषेक बनर्जी भी नजर आएंगे।

चांदनी चौक और सदर बाजार को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने उठाया अहम कदम, जाम-गंदगी से मिलेगा छुटकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। जाम, अतिक्रमण, आग व गंदगी समेत अन्य समस्याओं से जूझते चांदनी चौक व सदर बाजार के व्यापारी संगठनों ने बदलाव की ओर अहम कदम बढ़ाया है।

पहली बार उन्होंने संयुक्त रूप से दोनों बाजारों को नजदीक ही अस्थाई रूप से बसाकर 100 प्रतिशत पुनर्विकास का मसौदा दिल्ली सरकार के सामने रखा है, जिसमें बहुमंजिला वातानुकूलित बड़ी दुकानों के साथ चौड़ी सड़कें, पर्याप्त खुला माहौल, चौड़ी सड़कें और किसी आपदा से बचाव के पर्याप्त इंतजाम हो। उसमें लोगों के आने जाने के लिए लिफ्ट व सामानों की ढुलाई का भी लिफ्ट हो।

यह मसौदा व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से मुलाकात के दौरान सौंपा। दिल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) का यह प्रतिनिधिमंडल भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ दिल्ली के संयोजक रमेश खन्ना के नेतृत्व में पहुंचा था।

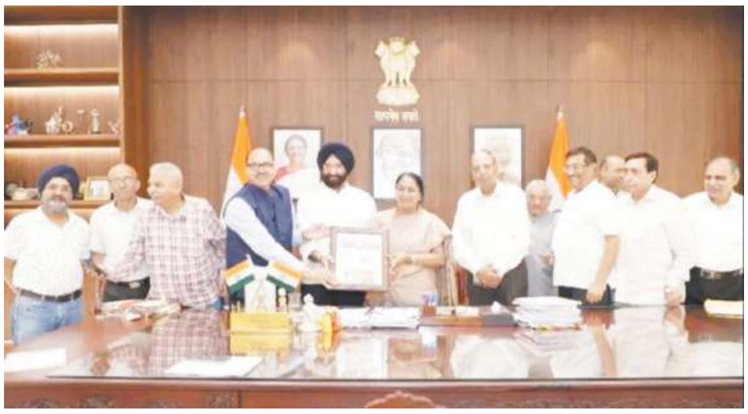

व्यापारियों का यह मसौदा तब सामने आया है जब मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पूर्व पुरानी दिल्ली के बाजारों को बेहतर सुविधाओं के लिए दिल्ली के बाहरी इलाकों में स्थानांतरित करने का विचार दिया था। वैसे, मुख्यमंत्री के यह कहते ही व्यापारियों ने तमाम व्यवहारिक दिक्कतों के मद्देनजर उस प्रस्ताव को खारिज कर बाजारों के पुनर्विकास की मांग की थी।

प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से स्पष्ट किया कि कोई भी व्यापारी अपनी वर्तमान जगह से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित नहीं होना चाहता है, वह अपने बाजार के ही पुनर्विकास के लिए इच्छुक है तथा उसके पास इसे लेकर प्रस्ताव भी है। उन्होंने इससे संबंधित ज्ञापन में कहा है कि यह पुनर्विकास पीपीपी माडल पर हो।

व्यापारियों ने कहा कि इस तरह का पुनर्विकास बिना किसी को विस्थापित किए हुए, क्षेत्र की ऐतिहासिकता और व्यापारिक मूल्य को संरक्षित रखते हुए होगा। इससे न सिर्फ भीड़ भाड़ कम होगी, बल्कि व्यापार वृद्धि के साथ-साथ दिल्ली सरकार के राजस्व में भी लाभ होगा।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उनके प्रस्ताव के सभी बिंदुओं को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना, प्रत्येक सुझाव को नोट किया और विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने इस परियोजना की जिम्मेदारी उद्योग मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा को सौंपी और स्पष्ट निर्देश दिए कि यह कार्य बिना किसी व्यापारी को हटाए हुए पूर्ण किया जाए।

बैठक में व्यापारी प्रतिनिधिमंडल में देवराज बवेजा, बलदेव गुप्ता, चंद्र भूषण गुप्ता, अजय शर्मा, सुशील गोयल, राजेन्द्र कपूर, अशोक लांबा, संजीत सिंह, सुशील साहू व देवेंद्र जैन शामिल थे।

सदर बाजार के व्यापारी तथा दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा समेत अन्य व्यापारी नेताओं ने सदर बाजार को 12 एकड़ के खाली पड़े पशुवधशाला की जमीन पर सदर बाजार को तत्कालिक रूप से स्थानांतरित कर सदर बाजार के आमूल-चूल परिवर्तन का प्रस्ताव रखा। इसी तरह, चांदनी चौक के बाजारों के अस्थाई स्थानांतरण के लिए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित चार क्लब भवनों का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा, जिनमें से तीन भवन पहले ही अधिग्रहित किए जा चुके हैं और एक शेष है।

बैठक में खारी बावली की टूटी सड़क के तत्काल निर्माण तथा भागीरथ पैलेस को अतिक्रमण मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि वह जल्द भागीरथ पैलेस जाकर स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

बदले हालात, यमुना नदी में फॉस्फेट हुआ कम; बीओडी स्तर भी सुधरा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की हालत पर हर महीने आने वाली नकारात्मक रिपोर्ट के बीच मई की रिपोर्ट भविष्य के प्रति आस बंधाती है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी द्वारा जारी मई माह की रिपोर्ट बताती है कि यमुना में फॉस्फेट के स्तर में सुधार आया है। कुछ जगहों पर बीओडी के स्तर में भी सुधार देखने को मिला है, लेकिन यह बहुत मामूली है।

वहीं अब भी आठ में से छह प्वाइंट पर यमुना के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा शून्य रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार बीओडी के मानक महज पल्ला में पूरे हो रहे हैं। अन्य सभी आठों जगहों पर पानी मानकों के अनुरूप नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि फॉस्फेट के स्तर में कमी आई है।

अप्रैल में फॉस्फेट का स्तर असगरपुर में 5.77 एमजी प्रति लीटर और ओखला में 5.44 एमजी प्रति लीटर था, लेकिन मई की रिपोर्ट में इसका स्तर असगरपुर में 1.92 एमजी प्रति लीटर और ओखला में 1.57 एमजी प्रति लीटर रह गया है। हालांकि नदी के पानी में फॉस्फेट की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। ओखला बैराज में आगरा कनाल प्वाइंट पर फॉस्फेट का स्तर 4.81 एमजी प्रति लीटर रहा था, जो अब 1.77 एमजी प्रति लीटर रह गया है। फीकल कोलीफार्म का स्तर असगरपुर में काफी बढ़ गया है। अप्रैल में इसका स्तर 13,00,000 था, जो अब मई में बढ़कर 15,00,000 एमजी प्रति लीटर हो गया है।

नमो भारत स्टेशनों की खुली पोल, ये तस्वीरें बनीं गवाह

खुले में पड़ी वायर और लिफ्ट का भी बुरा हाल

गाजियाबाद, एजेंसी। देश की पहली नमो भारत ट्रेन दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 11 स्टेशनों की बीच कुल 55 किमी दौड़ रही है। मेरठ साउथ से मेरठ शताब्दी नगर तक दिल्ली सेक्शन में न्यू अशोक नगर से सराय काले खां स्टेशन के बीच भी ट्रायल रन जारी है। अभी ट्रेन सभी स्टेशनों के बीच शुरू नहीं हुई है और ट्रेन के स्टेशनों पर लापरवाही शुरू हो गई। स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है। न्यू बस अड्डा स्थित गाजियाबाद रेलवे स्टेशन सबसे ऊंचा स्टेशन है। यहां से बड़ी संख्या में यात्री नमो भारत स्टेशन से मेट्रो ट्रेन में बदलते हैं। अन्य स्टेशन की अपेक्षा यहां यात्रियों की संख्या अधिक रहती है।

स्टेशन पर टिकट घर से कुछ ही दूरी पर फर्श पर बिजली के वायर मिले। यह वायर बिजली के बोर्ड से कनेक्ट थे। इस स्थान पर यात्री को जाने से रोकने की कोई व्यवस्था मौके पर नहीं मिली। इसी तरह यहां सीढ़ी लगाकर बिजली का काम किया जा रहा था।

बिना बैरिकेडिंग के ही बिजली का काम किया जा रहा था। यह यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा है। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन प्लेटफार्म पर खुले में टिन शेड पड़े थे। हालांकि इस प्लेटफार्म पर यात्री नहीं जा सकते हैं। हवा में यह टिन शेड उड़कर नीचे गिर सकते हैं। इससे हादसे का खतरा है।

इसी गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर लोहे के पाइप की शटरिंग लगी है। इस शटरिंग को रस्सी से बांधा गया है। यह रस्सी देखने में कमजोर लग रही है। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर प्लेटफार्म पर पंखे लगाए गए हैं। तीन पंखे चल रहे थे जबकि एक पंखा बंद था। जबकि इतनी भीषण गर्मी में यात्रियों को पंखे की जरूरत है।

साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन पर लिफ्ट बंद पड़ी हुई है। जिस वजह से आनंद विहार की ओर जाने वाले यात्रियों को सीढ़ियों का उपयोग करना पड़ रहा है। स्टेशन के बाहर नाले का मलवा पड़ा हुआ है। वहीं गुलधर में नमो भारत स्टेशन पर निर्माणाधीन प्लेटफार्म पर खुले में टिनशेड पड़े मिले।

टिन शेड के छोटे-छोटे टुकड़े भी थे। तेज हवा में ये टिन शेड नीचे गिरने के साथ प्लेटफार्म पर गिर सकते है। गुलधर रेलवे स्टेशन पर एक पंखा भी बंद मिला। मोदीनगर नार्थ स्टेशन पर लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियां ठीक हैं। दोपहिया वाहन पार्किंग में लगी लोहे की रेलिंग टूटी मिली है।

संपादकीय

सैनिक मोर्चे के बाद अब कूटनीतिक वार

पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सच दुनिया के सामने उजागर करने के मकसद से सरकार ने संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख देशों की यात्रा पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है। इसके लिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधि प्रमुख देशों के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाने का प्रयास करेंगे। हालांकि पाकिस्तान की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देश उसे आतंकवाद का गढ़ मानते हैं। विश्व आतंकवाद की ताजा सूची में भी उसे शीर्ष पर रखा गया है। फिर भी भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष में कुछ देश उसके साथ खड़े नजर आए।

यह तब है, जब भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद को समाप्त करने के मकसद से चलाया गया। इसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश कर दिए गए कि हवाई हमले में भारत ने केवल उन नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जहां आतंकी शिविर चल रहे थे। दुनिया के तमाम देश आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध का समर्थन करते हैं, फिर भी पाकिस्तानी दहशतगर्दों के खिलाफ भारत के अभियान पर कुछ देशों ने अपने स्वार्थ ऊपर रखे।

ऐसी स्थिति में पाकिस्तान को पूरी दुनिया से अलग-थलग करने का यही कारगर तरीका हो सकता है कि जमीन पर तो उसकी आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब दिया ही जाए, सारे विश्व को बताया-दिखाया जाए कि वह किस तरह दहशतगर्दों को पालता-पोसता रहा है। भारत के पास इसके पुख्ता सबूत हैं। हवाई हमले में मारे गए

एक दहशतगर्द के जनाजे में जब वहां की सेना के अधिकारी और राजनेता शरीक हुए, तो वे तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखीं। फिर भी ऐसे दस्तावेज जब भारतीय संसद के प्रतिनिधि खुद पेश करेंगे, तो उसका असर कई गुना बढ़ जाएगा। सैन्य संघर्ष के दौरान भी भारत के विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन हमेशा अपनी वीटो शक्ति का उपयोग कर पाकिस्तान को बचाता रहता है। अमेरिका भी पाकिस्तान की हकीकत से वाकिफ है। विश्व व्यापार संगठन की इमारत पर हमला और फिर उस हमले के सरगना ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में छिपे होने का तथ्य उसी का उजागर किया हुआ है। इसके बावजूद अमेरिका का रुख पाकिस्तान की तरफ नरमी का ही देखा जा रहा है। ऐसे में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के जरिए पाकिस्तान के रवैये का सच दुनिया को बताना कारगर साबित हो सकता है। यह भी अच्छी बात है कि इस मौके पर सभी राजनीतिक दलों ने सकारात्मक रुख दिखाया और सहयोग किया है। सरकार के इस फैसले पर सभी दलों ने उत्साह दिखाया है। हालांकि प्रतिनिधियों के चुनाव को लेकर कुछ राजनीतिक हलचलें दिखीं, पर अच्छी बात है कि इसे किसी दल ने तूल नहीं दिया है और सहयोग का ही रुख अपनाए रखा है। इससे दुनिया भर में सकारात्मक संदेश जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का विश्व राजनीति में विशेष महत्त्व होता है।

जब ये प्रतिनिधिमंडल निर्धारित देशों में जाएंगे और पाकिस्तान प्रायोजित दहशतगर्दी के तथ्य पेश करेंगे, तो उसका दस्तावेजी और कूटनीतिक महत्त्व होगा। निस्संदेह इस पर वे देश पाकिस्तान के बारे में नए ढंग से सोचने का प्रयास कर सकते हैं। इसके बाद जब भी विश्व बिरादरी में पाकिस्तान को लेकर कोई प्रस्ताव पेश होगा, तो यह पहल प्रभावकारी साबित होगी।